सिंधु घाटी सभ्यता की वास्तुकला एवं नगर तथा भवनों की विशेषताएं

भाग:-3

डॉ विभूति भूषण
सहायक प्राध्यापक (अतिथि)

प्राचीन इतिहास विभाग
SNSRKS College Sa

नालियाँ

1. हड़प्पा के नगरों में नालियों की सुंदर व्यवस्था थी. प्रायः प्रत्येक सड़क तथा गली के दोनों ओर पक्की नालियां बनाई गयी थी. जिनसे होकर नगर का गंदा पानी निकल जाता था.

2. किसी-किसी स्थान पर बड़ी नालियों के बीच गड्ढे भी बना दिए जाते थे जिनमें नाली का कूड़ा करकट एकत्र होता था.
3. बड़ी नालियों को पत्थर की पटियाओं से ढंक दिया जाता था. हड़प्पा के घरों की छोटी-छोटी नालियों को बड़ी नाली में जोड़ दिया जाता था. वह बड़ी नाली भी एक सार्वजनिक बड़ी नाली में मिलती थी.

4. स्थान- स्थान पर मेन होल बने होते थे. इन्हें बड़ी-बड़ी ईंटों से ढंका जाता था, जिन्हें हटाकर नाली का साफ़ सफाई किया जाता था.

5. नालियों की इतनी सुव्यवस्थित व्यवस्था किसी अन्य समकालीन सभ्यता में देखने को नहीं मिलती है. यह सिंधु घाटी सभ्यता की अद्भुत विशेषता है.

भवनें

सभ्यता में अनेक तरह की भवनें मिलती है जो अपने आप में अनूठा है. इन्हें वास्तुकला की दृष्टि से उत्कृष्ट माना जा सकता है. सैन्धव सभ्यता के प्रमुख भवनों में लोगों के निवास गृह, मोहनजोदड़ो का विशाल स्नानागार, अन्नागार तथा सभागार उल्लेखनीय है. आइये इनके बारे में विस्तारपूर्वक समझते है.

सिंधु घाटी सभ्यता की भवनें

सभ्यता में अनेक तरह की भवनें मिलती है जो अपने आप में अनूठा है. इन्हें वास्तुकला की दृष्टि से उत्कृष्ट माना जा सकता है. सैन्धव सभ्यता के प्रमुख भवनों में लोगों के निवास गृह, मोहनजोदड़ो का विशाल स्नानागार, अन्नागार तथा सभागार उल्लेखनीय है.